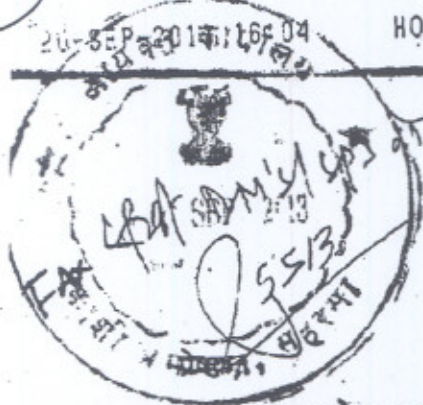


HOME SPL BIHAR PATNA

0091612216012



पत्र संख्या - बी०/भा०स०-०६/२०१०-पार्ट-१

बिहार सरकार

गृह (विशेष) विभाग

SP

SDM - खर / इफानिगुण्डा

कुमा देवी, कुआलय

पिपनीय प्रशाखा

अशोक कुमार सिन्हा

मुख्य सचिव

बिहार, पटना

सेवा में,

प्रधान सचिव,

स्वास्थ्य विभाग/शिक्षा विभाग/विज्ञान एवं प्राचैतिकी विभाग/

उद्योग विभाग, बिहार, पटना।

पुलिस महानिदेशक, बिहार/ सभी प्रमुख नगरीय, आर्युधत, बिहार।

सभी क्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/ सभी पुलिस उप महानिरीक्षक, बिहार।

सभी जिला पदाधिकारी/सभी वरीय पुलिस अधीक्षक/ पुलिस अधीक्षक, बिहार।

पटना, दिनांक - 19-9-13



राज्य में एसिड की बिक्री नियंत्रित करने हेतु तिथन बनाये जाने तक मामनीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दि०-18.07.13 को पारित आदेश के अनुपालन के संबंध में।

प्रसंग:- इका०पी०(क्रि०) सं०-129/2006, लक्ष्मी बनाम भारत संघ एवं अन्य में दिनांक-18.07.13 को मामनीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश।

महाराज, उपरोक्त विषयक दि०-18.07.13 को पारित आदेश (छयाप्रति संलग्न) के द्वारा मामनीय उच्चतम न्यायालय में राज्य में एसिड की बिक्री को नियंत्रित करने के संबंध में तिथन बनाये जाने तक एसिड की बिक्री नियंत्रित किये जाने के संबंध में निम्नलिखित निर्देश दिये हैं :-

- (i) Over the counter, sale of acid is completely prohibited unless the seller maintains a log/register recording the sale of acid which will contain the details of the person (s) to whom acid (s) is/are sold and the quantity sold. The log/register shall contain the address of the person to whom it is sold.
- (ii) All sellers shall sell acid only after the buyer has shown:
 - a) A photo ID issued by the Government which also has the address of the person:

DPD / DP20

प्रवा. प्रताप / website पर लगाने

23/9/13

गौरी / P111113

1. The first part of the document discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions. It emphasizes that every entry should be supported by a valid receipt or invoice to ensure transparency and accountability.

2. The second part outlines the procedures for handling discrepancies. It states that any variance between the recorded amounts and the actual cash flow should be investigated immediately to identify the source of the error and prevent it from recurring.

3. The third part details the process of reconciling the accounts. It requires that the general ledger be compared against the bank statements on a regular basis to ensure that the balances match and that all transactions are properly recorded.

4. The fourth part discusses the role of internal controls in preventing fraud. It suggests implementing a system of checks and balances where different individuals are responsible for different aspects of the financial process to minimize the risk of misappropriation of funds.

5. The fifth part covers the importance of regular audits. It notes that independent audits provide an objective assessment of the financial statements and help to build confidence among stakeholders in the organization's financial health.

6. The sixth part addresses the need for clear communication and reporting. It stresses that financial information should be presented in a clear, concise, and understandable manner to facilitate decision-making by management and other interested parties.

7. The seventh part discusses the impact of technology on financial management. It highlights how modern accounting software can streamline processes, reduce errors, and provide real-time insights into the organization's financial performance.

8. The eighth part concludes by emphasizing the overall goal of sound financial management: to ensure the long-term sustainability and success of the organization by effectively managing its resources and maximizing its value.

2013 16:05

HOME SPL BIHAR PATNA

0081612215012

P.02 P.2

8692

b) Specifies the reason/purpose for procuring acid.

(iv) All stocks of acid must be declared by the seller with the concerned Sub-Divisional Magistrate (SDM) within 15 days.

(v) No acid shall be sold to any person who is below 18 years of age.

(vi) In case of undeclared stock of acid, it will be open to the concerned SDM to confiscate the stock and suitably impose fine on such seller up to Rs. 50,000/-

(vii) The concerned SDM may impose fine up to Rs. 50,000/- on any person who commits breach of any of the above directions.

राज्य के शैक्षणिक संस्थान, शोध प्रयोगशाला, अस्पताल, सरकारी विभाग तथा लोक उद्योग विभाग जो एसिड का उपयोग तथा भंडारण करते हैं उनके संबंध में मासिक सर्वेक्षण न्यायालय में निम्नलिखित दिशा निर्देश दिये हैं :-

(i) A register of usage of acid shall be maintained and the same shall be filed with the concerned SDM.

(ii) A person shall be made accountable for possession and safe keeping of acid in their premises.

(iii) The acid shall be stored under the supervision of this person and there shall be compulsory checking of the students/personnel leaving the laboratories/place of storage where acid is used.

उपरोक्त निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करने का उत्तरदायित्व संबंधित अनुसंधान दंडाधिकारी का होगा।

अनुरोध है कि मासिक सर्वेक्षण न्यायालय के उपरोक्त निर्देशों का पुराना पूर्वक अंशतः अनुपालन सुनिश्चित की जाये तथा पत्र निर्गत होने की तिथि से एक माह के अंदर पूरा कार्रवाई का अनुपालन प्रतिवेदन यह विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये।

निदेशाधीन

(अशोक कुमार सिंह)
मुख्य सचिव

आयुक्त कार्यालय, कोशी प्रमंडल, सहरसा।

नामांक 36/2013
प्रतिलिपि:- निदेशानुसार, जिना पदाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, सहरसा, दिनांक 23.09.2013, सुपौल एवं सधेपुरा को सूचनाार्थ एवं आचर्य कार्रवाई हेतु प्रेषित।

आयुक्त के ली।
कोशी प्रमंडल, सहरसा

(03)

क्रमांक 1661-2 / सा० दिनांक - 17.10.13

प्रतिरिपि:- निदेशानुसार, पुलिस अधीक्षक मधेपुरा को सूचना एवं आवश्‍यक कार्‍याचरं प्रेषित।

प्रतिरिपि:- निदेशानुसार अनुमंडल पदा, मधेपुरा / उहाकिशुनगंज को सूचना एवं आवश्‍यक कार्‍याचरं प्रेषित।

प्रतिरिपि:- जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मधेपुरा को सूचना एवं अनुरोध है कि उसे मधेपुरा जिल्ला के वेबसाइट पर प्रकाशित करने का कार्य किना जाय।

प्रतिरिपि:- जिल्ला सूचना एवं जनसम्पर्क पदा, मधेपुरा को सूचना एवं आवश्‍यक प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेषित।

पगारी एकाधिकारी
मधेपुरा /
13/10/13

(6)

जिला सूचना एवं विज्ञान पदा
मधेपुरा